कक्षा -12

साहित्यिक हिंदी

जैनेन्द्र कुमार

साहित्यिक -परिचय

संक्षिप्त-परिचय

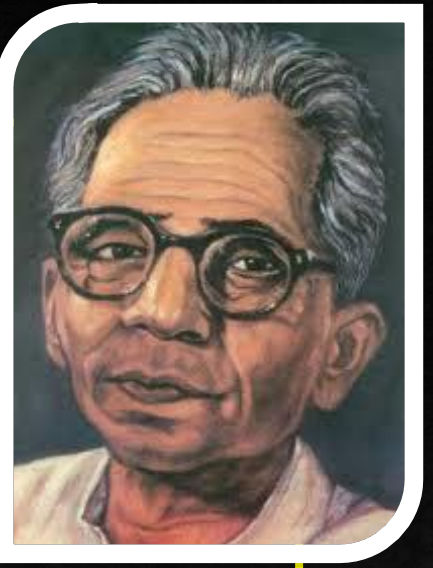

- **जन्म-** 2 जनवरी, 1905 ई0।
- **जन्म-स्थान** - कौड़ियागंज (अलीगढ़)।
- **घर का नाम-** आनन्दी लाल।
- **प्रारम्भिक शिक्षा-** जैन गुरुकुल (हस्तिनापुर)।
- **लेखन विधा-** गद्य साहित्य।
- **प्रमुख रचनाएँ-** प्रस्तुत प्रश्न, पूर्वोदय, परख, सुनीता, त्यागपत्र।
- **मृत्यु** - 24 दिसम्बर, सन् 1988 ई0।

जीवन-परिचयः-

जैनेन्द्र जी का जन्म अलीगढ़ के कौड़ियागंज नामक कस्बे में 2 जनवरी , 1905 ई0 में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री प्यारेलाल और माता का नाम श्रीमती रमादेवी था। जन्म के दो वर्ष बाद ही इनके पिता की मृत्यु हो गयी । इनकी प्रारम्भिक शिक्षा हस्तिनापुर के जैन गुरुकुल ऋषि ब्रह्मचर्याश्रम में हुई । सन् 1919 में इन्होंने मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया , किन्तु सन् 1921 के असहयोग आन्दोलन में भाग लेने के कारण इनकी शिक्षा का क्रम टूट गया। 24 दिसम्बर , 1988 ई0 को इनका देहावसान हो गया।

साहित्यिक परिचयः-

जैनेन्द्र जी की साहित्य - सेवा का क्षेत्र बहुत विस्तृत है। मौलिक कथाकार के रूप में तो इनकी विशेष पहचान है ही, निबंधकार और विचारक के रूप में भी इन्होंने अद्भुत प्रतिभा दिखायी है। इन्होंने साहित्य , कला , धर्म , दर्शन , मनोविज्ञान , समाज , राष्ट्र आदि अनेक विषयों को लेकर निबंध - रचना की है। इनकी पहली कहानी - ' खेल ' सन् 1928 ई 0 में ' विशाल भारत ' में प्रकाशित हुई थी। इसके बाद ये निरन्तर साहित्य - सृजन में प्रवृत्त रहे। जैनेन्द्र जी ने कहानी , उपन्यास , निबंध , संस्मरण आदि अनेक गद्य - विधाओं को समृद्ध किया है।

रचनाएँ:-

निबंध संग्रह :

- प्रस्तुत प्रश्न ,
- जड़ की बात ,
- पूर्वोदय ,
- साहित्य का श्रेय और प्रेय ,
- मंथन ,
- सोच - विचार ,
- काम , प्रेम और परिवार

उपन्यास –

- परख ,
- सुनीता ,
- त्याग - पत्र
- कल्याणी ,
- विवर्त ,
- सुखदा ,
- व्यतीत ,
- जयवर्धन ,
- मुक्तिबोध

कहानियाँ –

- फांसी ,
- जयसंधि ,
- वातायन
- नीलमदेश की राजकन्या ,
- एक रात ,
- दो चिड़ियाँ ,
- पाजेब ।

संस्मरण –

- ये और वे

अनुवाद –

- मन्दालिनी (नाटक) ,
- पाप और प्रकाश (नाटक) ,
- प्रेम में भगवान् (कहानी संग्रह) ।